No. of Printed Pages : 4

MHD-5

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2020

एम. एच. डी.-5 : साहित्य-सिद्धान्त और समालोचना

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : (*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

(*ii*) प्रत्येक खण्ड से **दो-दो** प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है।

(*iii*) शेष **एक** प्रश्न का उत्तर किसी भी खण्ड से दिया जा सकता है।

(*iv*) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

P. T. O.

खण्ड-'क'

1. विभिन्न आचार्यों द्वारा की गई रस-निष्पत्ति सम्बन्धी चर्चा का उल्लेख कीजिए। 20

2. काव्य-लक्षण अथवा कविता की परिभाषा के सम्बन्ध में भारतीय और पाश्चात्य विद्वानों के मतों का परिचय दीजिए। 20

3. वक्रोक्ति सिद्धान्त की मूल स्थापनाओं पर प्रकाश डालिए। 20

4. 'काव्य का अधिकारी' से तात्पर्य स्पष्ट करते हुए उसके महत्व पर प्रकाश डालिए। 20

5. शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना की मूल विशेषताओं पर विचार करते हुए इसकी शक्ति और सीमाएँ बताइए। 20

खण्ड-'ख'

6. लोंजाइनस के प्रमुख आलोचना सिद्धान्तों पर प्रकाश डालिए। 20

7. कॉलरिज के कल्पना सिद्धान्त का विवेचन कीजिए। 20

8. क्रोचे के अभिव्यंजनावाद सिद्धान्त की शक्ति और सीमाओं की चर्चा कीजिए। 20

9. इलियट की परम्परा और प्रज्ञा सम्बन्धी अवधारणा पर प्रकाश डालिए। 20

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2 \times 10 = 20$

(क) औचित्य संप्रदाय

(ख) महाकाव्य

(ग) विरेचन सिद्धान्त

(घ) यथार्थवाद

(ङ) हिन्दी में मार्क्सवादी आलोचना

12750